हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 20 अक्टूबर 2025

[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

तापमान
अधिकतम 33.2 डिग्री
न्यूनतम 18.6 डिग्री

14 सुनहरे फूलों से खेत हुए गुलजार, दिवाली में गेंदे की बहार

त्योहार मनाकर किसान काटेंगे हरूना धान की फसल

76 हजार किसानों की 'दिवाली'- दुर्ग जिले में 1.12 लाख हेक्टेयर में धान की फसल तैयार

देवीलाल साहू ▶▶ भिलाई

दुर्ग जिले के 76 हजार किसानों का सोना उनके खेतों में लहलहा रहा है। हरूना धान की फसल पक गई है और सरोना धान में दाने फूटने लगे हैं। दिवाली के पहले अपनी मेहनत की कमाई को देखकर किसान बेहद खुश है। दिवाली जैसे ही मनेगी किसान हरूना धान की कटाई शुरू कर देंगे और खलिहान आबाद दिखेगा। दुर्ग जिले में 1.12 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान की फसल तैयार हो गई है। इस बार बारिश भी ऐसी जमकर हुई है कि पैदावारी भी पिछले साल से ज्यादा होने की उम्मीदें भी बंधी हैं।

फोटो संजय पांडेय

इस बार 3100 रुपए क्विंटल में धान बेचेंगे किसान

प्रदेश सरकार ने धान का समर्थन मूल्य भी तय कर दिया है। प्रति क्विंटल 3100 रुपए के हिसाब से धान की खरीदी होगी। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी सीमा तय की गई है। 15 नवंबर से धान की खरीदी शुरू हो रही है। जिला प्रशासन ने धान खरीदी करने के लिए 102 उपार्जन केंद्र बनाए हैं। इस जिले से 4 लाख मिट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य भी सरकार ने तय किया है। इस हिसाब से किसानों का पूरा धान सरकार समर्थन मूल्य पर खरीद लेगी।

खुद नहीं जा सकते तो नामिनी भी बेच सकेंगे धान

किसानों की धान खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सरकार ने एक और बेहतर विकल्प दिया है। यदि किसान किसी वजह से धान खरीदी केंद्रों में स्वयं नहीं जा सकता तो अपनी नामिनी को भेज सकता है। इसके लिए किसानों को पंजीयन के दौरान ही नामिनी तय करना है। यानी पंजीयन के दौरान नामिनी के नाम, उसका आधार कार्ड की फोटो कापी फार्म के साथ संलग्न किए जा रहे हैं। नामिनी केवल घर का सदस्य नहीं और कोई भी किसान हो सकता है। यदि कोई किसान अपने खेत को रेग में दिया है तो वह उसे नामिनी तय कर सकता है।

बेटे-बेटियों के विवाह का संजोया है सपना

किसानों ने बताया कि धान की फसल ही उनकी आर्थिक धुरी का मुख्य आधार है। धान बेचकर वे इस साल अपने विवाहयोग्य बेटे-बेटियों की शादी-व्याह करने का भी सपना पूरी करेंगे। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ में दिवाली के 15 दिन बाद देवउठनी का त्योहार मानाएंगे और फिर रिश्ते देखना शुरू करेंगे। धान की फसल ही हमारे घर-परिवार की खुशी देता है। सोसायटी के खाद-बीज का कर्ज भी देकर इससे मुक्त हो जाएंगे।

इस तरह बंधी है किसानों की उम्मीदें

नगपुरा गांव के किसान पुकेश्वर साहू ने बताया कि इस बार 8 एकड़ में धान की फसल ली है। हरूना धान पूरी तरह तैयार हो गई है। बारिश की वजह से खेत गीला है इसलिए धान की कटाई अभी शुरू नहीं किया है। जैसे ही दिवाली मनेगी उसके बाद धान की कटाई शुरू करवा देंगे। इस बार फसल भी अच्छी हुई है। किसान चेतन यादव ने बताया कि इस साल 7 एकड़ क्षेत्रफल में धान की फसल लगाई है। बारिश ऐसी हुई है कि खेतों के लिए वरदान जैसा है। सिंचाई पानी की जरूरत नहीं पड़ी। ऐसे में पैदावारी बढ़ने की आस लगाए हुए है। पूरा परिवार खेतों में लहलहाती फसल को देखकर खुश है। ननकट्ठी के किसान रविप्रकाश ताम्रकार बताते हैं कि लगातार हरूना धान की कटाई भी कई जगह शुरू हो गई है। दिवाली मनाकर इस कार्य में तेजी जाएगी। हर गांव का किसान अपनी मेहनत को मूर्त रूप में देखकर गद-गद है। हमें 15 नवंबर को शुरू होने वाली धान खरीदी का इंतजार है।

निधन

तुलाराम साहू

भिलाई। राम जानकी मंदिर वार्ड 19 भिलाई निवासी तुलाराम साहू 70 वर्ष का आकस्मिक निधन 19 अक्टूबर को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे अमर साहू, फकीरचंद साहू, मोनू साहू के पिता व वेदांश, सिद्धार्थ के दादा थे।

पी रंजना

भिलाई। ब्लॉक 13 ए, रूआबांधा सेक्टर निवासी पी रंजना 59 वर्ष का निधन 18 अक्टूबर को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार 20 अक्टूबर को नेवई भाटा मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे हर्ष और प्रसनजीत की मां और पी विश्वेश्वर की पत्नी थीं।

सनत यदु

जामुल। ग्राम कचांदुर निवासी कृषक जगदीश यदु के पुत्र सनत यदु उम्र 47 का निधन 19 अक्टूबर को हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे राजकुंवर के पति, सुष्मिता यदु, ज्योति यदु, तनु यदु एवं हेमा यदु के पिता थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड गए हैं।

के. उदयलक्ष्मी

भिलाई। सेक्टर 2 सड़क 15 बी ब्लाक 12/डी निवासी के. उदयलक्ष्मी का निधन 19 अक्टूबर को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार 20 अक्टूबर को रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे के. विश्नविनायका कार्तिक एवं के. विष्णु दिव्यांश की दादी और वरिष्ठ पत्रकार आरएन रामाराव की मामी थीं।

अनदेखी : मानक को ताक में रखकर किया जा रहा काम

करोड़ों खर्च के बाद भी हालत बदतर, दूसरे राज्य की तुलना में सीएसपीडीसीएल कर रहा खानापूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भले ही पॉवर कंपनी सीएसपीडीसीएल बेहतर सेवा का दावा कर रही हो, लेकिन यहां मेंटिनेंस के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति हो रही है। अकेले दुर्ग जिले में करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी यहां के सब स्टेशन बदहाल हैं। हालत यह है कि इस लापरवाही कभी बड़ी अनहोनी हो सकती है।

दुर्ग रीजन में अहिरवार संभाग, कुम्हारी उपसंभाग, मुरमुंदा वितरण केन्द्र का गोढ़ी सब स्टेशन की हालत ऐसी है कि यहां सब स्टेशन के अंदर ना तो मानक के मुताबिक गिट्टी बिछी हुई दिख रही है और ना ही मुरुम की फिलिंग हुई है। बिजली विभाग के तकनीकी कर्मचारी बी नागेश्वर राव ने बताया कि एक सब स्टेशन की औसत लंबाई चौड़ाई 30 बाई 30 मीटर होती है। इसके निर्माण में 2 करोड़ रुपए से अधिक की लागत आती है। हर साल इसके मेंटिनेंस में मोटी रकम खर्च करके टेंडर जारी किया जाता है। लेकिन इसके बाद भी यहां की हालत बद से बदतर है। यहां की स्थिति देखकर ऐसा लगता है कि कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

दुर्ग डिवीजन के सब स्टेशन का हाल।

आंध्रप्रदेश के सब स्टेशन का हाल।

आंध्रप्रदेश के सब स्टेशन की तस्वीर

नागेश्वर राव ने आंध्र प्रदेश में एपीएसपीडीसीएल कंपनी द्वारा लगाए गए 33/11 केवी के सब की तस्वीर दी है। इसमें साफ दिखाई देता है कि मानक के मुताबिक गिट्टी बिछाई गई है। सारी तारें सही और नई हैं। कहीं भी झाड़ी व पेड़ पौधे नहीं दिखाई दे रहे हैं। जबकि दुर्ग के सब स्टेशन में साफ दिखाई दे रहा है कि उसके मेंटिनेंस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सुधार के दिए जाएंगे निर्देश

मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मैं इसकी जांच करवा लेता हूं। उसके बाद उसे सुधार के लिए अधिकारियों को सुधार के लिए निर्देशित किया जाएगा। **-आरके मिश्रा,** एसई, सीएसपीडीएल, दुर्ग

गिट्टी और मुरुम की चोरी का आरोप

सब स्टेशन बनाने के लिए जो सबसे अहम चीज होती है वो है उसका बेस बेस में विभाग के द्वारा 6 इंच मोटी गिट्टी की परत बिछाई जाती है। पूरे सब स्टेशन में लगभग 35-40 ट्रक गिट्टी की आवश्यक्ता होती है। इसके साथ ही यहां मुरुम भी डाली जाती है, जिससे कीचड़ ना हो। गिट्टी के अंदर ही अर्थिंग की प्लेट लगाई जाती है। जबकि हकीकत में देखने पर दुर्ग रीजन के सब स्टेशन में खासकर अहिरवार संभाग, कुम्हारी उपसंभाग मुरमुंदा वितरण केन्द्र के गोढ़ी सब स्टेशन की हालत खराब है। यहां चारों तरफ घास और झाड़ियां उग गई हैं। तारों का प्लास्टिक कवर सड़ गया है। ट्रांसफार्मर से तारों को जुगाड़ से जोड़ा गया है। साथ ही जमीन पर कहीं भी गिट्टी की मोटी परत नहीं दिख रही है।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

कुम्हारी में रविवार सुबह एक निजी कंपनी में करने वाले युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। कुम्हारी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

■ कुम्हारी पुलिस कर रही मामले की जांच

कुम्हारी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान मदन यादव (55 साल) निवासी वार्ड 18 कुम्हारी के रूप में हुई है। वो रायपुर टाटीबंद में एमएन इमफोटेक कंपनी में काम करता था। वह रोज की तरह काम पर जा रहा था और कुम्हारी चौक के पास बने ओवर ब्रिज के नीचे नंदू किराना दुकान के सामने खड़े होकर आटो का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान अहिवारा रोड की ओर से एक तेज रफ्तार ट्रक ओडी 14 एएफ 2825 आया और मदन को पीछे से रौंदते हुए निकल गया। हादसे में मदन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और मृतक परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक चालक काफी तेज गति से लापरवाही पूर्वक वाहन चला रहा था। ट्रक के पिछले पहिया की चपेट में आने से मदन के कमर से नीचे का पूरा हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। पुलिस आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर ट्रक को जब्त कर लिया है।

नशीली दवा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, गए जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

ऑपरेशन विश्वास के तहत नशे का कारोबार करने वाले आरोपी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेजा है। आरोपी को 2805 नग अल्फा जोलम नशीली दवा के साथ गिरफ्तार किया गया है।

एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि उन्हें मुखबीर द्वारा सूचना मिली थी कि सीनू इंजीनियरिंग वर्क्स के सामने मंगल बाजार छावनी के पास दो लड़के नशीली दवाई (टेबलेट) बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। उन्होंने तुरंत जामुल पुलिस की टीम को वहां भेजा। टीम ने घेराबंदी करके घटना स्थल सीनू इंजीनियरिंग वर्क्स के सामने मंगल बाजार छावनी के पास संदेहियों को पकड़ा। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम बिसनाथ बाघ (23 साल) निवासी बी.ई.सी. चैक के पास राजीव नगर जामुल बताया। आरोपी ने बताया कि वो अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर नशीली दवाई को बेच रहा था। आरोपी के कब्जे से नशीली दवाई अल्फा जोलम टेबलेट 2760 नग कीमती 10120 रुपये व नगदी रकम 2200 रुपये जप्त किया गया। वहीं उसके नाबालिग साथी से 45 नग अल्फा जोलम टेबलेट कीमती 165 रुपये व नगदी रकम 500 रुपये और 2 मोबाईल फोन को जप्त किया गया। जामुल पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया है। नाबालिग आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है।

दिवाली के दिन 1 दीया अपने स्कूल में जलाएं : गजेन्द्र

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव सोमवार 20 अक्टूबर को शाम 5 बजे दुर्ग स्थित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला शक्तिनगर में आयोजित विशेष कार्यक्रम विष्णु का दीया में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम दीपावली पर्व को शिक्षा और संस्कारों से जोड़ने की एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चों के जीवन में ज्ञान का महत्व स्थापित करना और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरित करना है।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि दीपावली का दीया केवल रोशनी का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, उम्मीद और उज्ज्वल भविष्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सपना है कि छत्तीसगढ़ का हर बच्चा शिक्षा के प्रकाश से रोशन हो और पूरे प्रदेश का नाम गौरव के साथ ऊँचा करे। मंत्री श्री यादव ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से आह्वान किया है कि इस दीपावली पर सभी बच्चे अपने-अपने विद्यालय में एक दीया अवश्य जलाएं। यह दीया केवल उत्सव का हिस्सा नहीं होगा, बल्कि यह शिक्षा, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा। यह संकल्प हमें यह याद दिलाएगा कि शिक्षा ही जीवन का सच्चा दीप है, जो न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे समाज को प्रकाशमय बनाती है।

जुआरियों को पकड़ने गई पुलिस की बाइक को अज्ञात ने जलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नेवई थाना अंतर्गत एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। यहां धनतेरस की रात को नेवई भाठा में जुआरियों को पकड़ने गई पुलिस आरक्षक की बाइक को जुआरियों ने आग के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि धनतेरस की रात लगभग 12.30 बजे नेवई भाठा में जुआ का फड़ चल रहा था। सूचना पाकर पुलिस की टीम जुआरियों को पकड़ने गई। 5-6 पुलिसवाले बाइक से रेड मारने पहुंचे थे। जुआरियों को उनकी मौजूदगी का एहसास न हो इसलिए पुलिस वालों ने अपनी बाइक को दूर खड़ा किया और पैदल जाकर 5 जुआरियों को पकड़ा। इधर जुआरियों को पकड़ने के बाद पुलिस वाले जब अपनी बाइक के पास पहुंचे तो देखा कि उनकी एक बाइक में किसी ने आग लगा दिया है। अरक्षक भूमेन्द्र वर्मा ने अपनी बाइक को जलता देखा वहां हंगामा हो गया। बाइक को आग किसने लगाई यह पता नहीं चला। सूचना मिलते ही एएसपी सुखनंदन राठौर खुद नेवई थाना पहुंचे। उन्होंने घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 20 अक्टूबर 2025

[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

OM JEWELLERS

दीपावली के शुभ अवसर पर, खरीदारी कर घर में सौभाग्य संग समृद्धि लायें

मानक पथप्रदर्शक

ओम ज्वेलर्स

यह दिवाली
सुनहरे मौके वाली

गोल्ड | डायमंड | सिल्वर

916(22c), 833(20c), 750(18c) ऑल वैरायटी उपलब्ध

हर 10,000/- की खरीदी पर चांदी की मुर्ति फ्री

हॉलमार्क ज्वेलरी उपलब्ध

कल्पना से परे.. दुल्हन ज्वेलरी

रानी हार, कुंदन ज्वलेरी, चुड़ी सेट, माथे का टीका
कमरबंद, अंगुठी, बालिया, बाजुबंद, पायल, झुमका
नेकलेश व हालमार्क की सभी ऑल वैरायटी उपलब्ध

जितना ग्राम सोना लेने पर
उतना ही ग्राम चाँदी बिल्कुल फ्री

ज्वेलरी की
रिपेयरिंग में त्वरित सेवायें
हमारे द्वारा पायें

1 किसी भी जेवर का भुगतान घर से करने की सुविधा

2 चेक पेमेंट सुविधा

3 ऑल कार्ड ऑनलाईन पेमेंट भुगतान करने की सुविधा

बाजार चौक, कुम्हारी | पावर हाउस, भिलाई | 64 बी, इंदिरा मार्केट, दुर्ग

रायपुर, सोमवार 20 अक्टूबर 2025

हरिभूमि लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

● दुर्ग जिले के किसानों ने दीपावली, छठ पर्व और देवउठनी पर्व को देखते हुए करीब 1650 एकड़ में की है फूलों की खेती

सुनहरे फूलों से खेत हुए गुलजार, दिवाली में गेंदे की बहार

संगीता मिश्रा/ भिलाई

सुनहरे गेंदें के फूलों से दुर्ग जिले के खेत भी गुलजार हैं। दिवाली त्योहार होने की वजह से बाजार में भी फूलों की अच्छी खासी मांग शुरू हो गई है। दिवाली, देवउठनी और छठ पर्व पर सबसे ज्यादा डिमांड सुनहरे गेंदें फूल की होती है। इसलिए यहां के फूल उत्पादक किसान हर साल फूलों की खेती करते हैं। इन खेतों से हर दिन 4-5 क्विंटल सुनहरे गेंदे के फूल बाजार में पहुंच रहे हैं। त्योहार में यह मांग दोगुने यानी 8 से 10 क्विंटल प्रतिदिन तक पहुंचने की उम्मीद है। दूसरे फूलों की भी इतनी ही डिमांड बाजार में हो गई है।

फूलों की खेती पर एक नजर

142	हेक्टेयर में गेंदा (मेरीगोल्ड)
48	हेक्टेयर में गुलाब
77	हेक्टेयर में रजनीगंधा (ट्यूबरोस)
87	हेक्टेयर ग्लेडियोलस
25	हेक्टेयर में काइसैधिमम यानी गुलदाउदी
80	हेक्टेयर में अन्य प्रजातियों के फूल
391	हेक्टेयर में की गई थी फूलों की खेती

फूलों की पैदावार

1095	मीट्रिक टन गेंदा
78	मीट्रिक टन गुलाब
344	मीट्रिक टन रजनीगंधा
200	मीट्रिक टन ग्लेडियोलस
315	मीट्रिक टन क्राइसैचिमम यानी गुलदाउदी
112-	मीट्रिक टन अन्य फूलों की हुई पैदावार
2144 -	मीट्रिक टन से ज्यादा हुई थी पैदावार

नागपुर-कोलकाता पर निर्भरता हुई कम

बाजार में इस बार फूलों की अच्छी मांग है। त्योहारी सीजन में डिमांड दोगुनी होने की उम्मीद है। बाजार-व्यापार और देव स्थलों के खुल जाने से सामान्य दिनों में भी अच्छा कारोबार हो रहा है। फूल उत्पादक किसान बताते हैं कि जिले में फूलों स्थानीय बाड़ियों के साथ नागपुर व कोलकाता से भी फूल लाया जाता है। पिछले कुछ सालों में इन शहरों पर निर्भरता कम हुई है। अब गेंदा और गुलदाउदी की पूर्ति स्थानीय बाड़ियों से हो जाती है। इसके अलावा रायपुर, राजनांदगांव कवर्धा में भी इन फूली की सप्लाई होती है। बड़े शहरों से गुलाब व रजनीगंधा जैसे कीमती फूल बहुतायत में आते हैं।

1650 एकड़ में फूलों की खेती

जिले में हर साल करीब 1200 किसान 1650 एकड़ में फूलों की खेती करते रहे हैं। दुर्ग, धमधा और पाटन ब्लॉक में छोटे बाड़ियों से लेकर बड़े खेत वाले किसानों तक के लिए यह सीजन फूलों की वजह से फायदेमंद होता रहा है। इसलिए यहां के फूल उत्पादक किसानों ने बड़े गेंदे और चंदैनी गेंदा के फूलों पर अपना व्यवसाय फोकस किए हुए हैं।

20 से 23 करोड़ रुपए का कोराबार

दुर्ग जिले में 2244 मिटरिक टन से ज्यादा फूलों की पैदावारी हो रही हैं। इनमें गुलाब, रजनीगंधा जैसी कीमती और डिमांड वाले फूल भी शामिल हैं। इन फूलों से किसानों और व्यापारियों के हाथों में 25 से 30 करोड़ रुपए आता है। दुर्ग भिलाई फूलों के कारोबार के लिए अच्छा बाजार माना जाता है। इसलिए केवल दुर्ग जिले के फूलों से ही नहीं दीगर राज्यों से फूल हर रोज आम दिनों में ही मंगाए जाते हैं।

10 हजार लोग जुड़े हैं फूलों के इस रोजगार से

किसानों के मुताबिक 10 हजार से ज्यादा लोगों को मिला रोजगार जिले में करीब एक हजार छोटे-बड़े किसान फूलों की खेती कर रहे हैं। सामान्य स्थिति में खेतों में कम से कम 5 से 7 लोगों को रोजगार मिल जाता है। इसके अलावा परिवहन और बाजार के 3 से 5 लोगों को मिला दें तो एक किसान के माध्यम से कम से कम 10 लोगों को रोजगार मिलता है। इस तरह जिले के करीब 10 हजार लोगों को रोजगार मिलता है। जिन गांवों में फूलों की खेती हो रही है वहां भी स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। फूलों की देखभाल करने और उसे बाजार तक पहुंचाने के लिए लोग कार्य कर रहे है।

सिटी इवेंट

दीपक से सीखे स्वयं जलकर दूसरे को प्रकाशित करना, मनाया बलिदान दिवस

भिलाई। आर्य समाज वैदिक सत्संग समिति, पतंजलि योग समिति और भारत स्वाभिमान परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती का बलिदान दिवस श्रद्धा एवं संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अग्निहोत्र यज्ञ में आहुति दी। वातावरण वेदध्वनि से गूंज उठा। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित गुरुकुल प्रभात आश्रम मेरठ के आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद के विचारों को आज भी समाज पूर्ण रूप से नहीं समझ पाया है। लोग वेदों को मानते हैं, किंतु जानते नहीं हैं। स्वामी दयानंद ने वेदों की ओर वापस आओ का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऋषि दयानंद के जीवन में 'दया' और 'आनंद' के दो भाव प्रमुख थे। आचार्य आर्य ने कहा कि जीवन को बदलने के लिए केवल ज्ञान ही नहीं, ध्यान और आत्मचिंतन भी उतना ही आवश्यक है। स्वामी दयानंद के जीवन में अद्भुत करुणा का समावेश है। सत्य और ज्ञान का प्रकाश ही सच्चा प्रकाश है। कार्यक्रम का संचालन राकेश दुबे ने किया। पतंजलि योग समिति के नवीन यदु और रवि ने कहा कि जीवन में जो भी सकारात्मक परिवर्तन आया है, उसका श्रेय ऋषि दयानंद की प्रेरणा को जाता है। चतुर्भुज अग्रवाल ने घोषणा की कि समाज में वैदिक चेतना जगाने के लिए प्रतिमाह एकादश कुंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। राजेंद्र अग्निहोत्री ने सत्यार्थ प्रकाश और संस्कार विधि जैसे ग्रंथों का उल्लेख किया। शांति पाठ और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

युवाओं ने आश्रय गृह के बच्चों के साथ मनाई दीपावली, चेहरों पर आई मुस्कान

भिलाई। दीपावली पर्व पर समाज की मुख्यधारा से जुड़े युवा जब वंचित बच्चों के बीच खुशियां बांटते हैं, तो उसका प्रभाव न केवल बच्चों पर, बल्कि समाज पर भी सकारात्मक संदेश छोड़ता है।

इसी भावना के साथ भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष नितेश साहू और उनके साथियों ने दुर्ग स्थित खुले आश्रय गृह में पहुंचकर वहां रह रहे बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। युवाओं ने बच्चों को पटाखे, मिठाई और केक वितरित किए। बच्चों की चमकती आंखें और खिलखिलाते चेहरे देख सभी सदस्य भावविभोर हो गए। इस

अवसर पर बच्चों ने गीत, कविता और निबंध प्रस्तुत किए। जिनमें उनकी रचनात्मकता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण झलक रहा था। उनकी प्रस्तुतियों को सुनकर उपस्थित युवा भावुक हो उठे।नितेश साहू ने कहा कि सरकार इन बच्चों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, परंतु समाज के प्रत्येक वर्ग का यह दायित्व है कि वह समय-समय पर इन बच्चों के बीच जाकर उन्हें यह अहसास कराए कि वे समाज से अलग नहीं हैं। उनका बचपन भी अन्य बच्चों की तरह खुशहाल और उज्ज्वल होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं में सेवा भावना और मानवीय संवेदनशीलता को और प्रबल करते हैं। दीपों की रोशनी और बच्चों की मुस्कान से सजे इस क्षण ने एक सकारात्मक सामाजिक संदेश दिया। इस अवसर पर पियूष मालवीय, राहुल पाटिल, काशी साहू, शुभम कोम्बे, वीरेंद्र ठाकुर, तुषार राजपूत सहित युवा मोर्चा के कई सदस्य उपस्थित रहे।

राज्यस्तरीय रस्साकस्सी प्रतियोगिता में पहली बार महिला और पुरुष दोनों वर्ग बने विजेता

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि सीएसवीटीयू भिलाई के तत्वावधान में एक दिवसीय राज्य स्तरीय रस्सा कस्सी टग ऑफ वार प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय कांकेर में किया गया। विश्वविद्यालय की एकीकृत राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित राज्य के विभिन्न तकनीकी व फार्मेसी महाविद्यालयों की महिला एवं पुरुष टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे.शैलेन्द्र सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, सहयोग और आत्मविश्वास का

संचार करते हैं। रस्साकस्सी जैसे पारंपरिक टीम खेल से विद्यार्थियों में एकता और समन्वय की भावना मजबूत होती है। विश्वविद्यालय खेल निदेशक किशोर भारद्वाज ने विद्यार्थियों में टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने प्रोत्साहित किया। राज्यभर के तकनीकी संस्थानों की टीमों ने दमखम दिखाया और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। रोमांचक मुकाबलों के बाद पुरुष वर्ग में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय दुर्ग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

घरों को रौशनी से जगमगाने चल रही खरीददारी

पारंपरिक तोरण, इनडोर आर्टिफिशियल लाइटिंग, डिजाइनर कैंडल से जगमगाने लगे घर, आज स्थिर लग्न में होगी पूजा

कार्नर न्यूज

भिलाई। दीपावली के पांच दिवसीय पर्व की शुरुआत धनतेरस से हो गई।रविवार को छोटी दिवाली भी मनाई गई और आज सोमवार को शुभ मुहुर्त में दीपों का पर्व दिपावली धूमधाम से मनाई जाएगी। रविवार को छुट्टी होने के चलते सभी चौक-चौराहों, बाजारों में खरीददारी करने लोगो की खासी भीड़ दिखाई दी। दीपावली का पर्व हर साल की तरह इस बार भी खास बनाने के लिए लोग अपने घरों और दुकानों को सजाने के लिए मार्केट में खरीदारी करते दिखाई दिये। इस अवसर पर लोग अपने घरों को सजाने आर्टिफिशियल लाइटिंग प्लांट्स, कैंडल, डिजाइनर दीपक और आकर्षक प्रवेश द्वार सजाने वाले सामान की मांग करते दिखे। हर कोई अपने घर को खूबसूरती से सजाने के लिए इन सामानों का चयन कर रहे है।

सजावट के लिए इलेक्ट्रॉनिक आयटम बना पसंदीदा

दीपोत्सव एक ऐसा त्यौहार है, जिसे हर कोई बेहतर ढंग से सेलीब्रेट करना चाहता है। खास कर घरों, पूजा स्थलों को लाईटिंग कर सजाने की जुगत में दिखे। दुकानदार ने बताया कि इस बार आर्टिफिशियल माला सहित अन्य इलेक्ट्रानिक सजावटी सामान अलग-अलग स्थानों से मंगाया गया है। इन आयटमों की कई वैरायटिज एवं रेंज अलग- अलग है। जिसे घर में लगाने से एकदम आकर्षक लगेगा। इसे लोग पसंद भी कर रहे हैं।

प्रदोषकाल में होगी लक्ष्मी पूजा

ज्योतिषाचार्य पं विनोद चौबे ने बताया कि दीपों के पर्व दीपावली पर लक्ष्मी पूजन शाम 4 बजकर 9 से 5 बजकर 36 तक अमृत व्यापारिक प्रतिष्ठानों में पूजा करने का मुहूर्त होगा। प्रदोषकाल 7 बजकर 50 मिनट से 8 बजकर 13 मिनट तक और रात में दीप पूजन लग्न मुहूर्त रात 7 बजकर 21 मिनट से 9 बजकर 17 मिनट तक स्थिर वृष लग्न में घरों में पूजा की जा सकती है। वही स्थिर सिंह लग्न में मध्यरात्रि के बाद रात 1 बजकर 51 मिनट से 4 बजकर 7 मिनट तक पूजा व अनुष्ठान करना शुभ रहेगा।

इनडोर प्लांट से घर दिखे आकर्षक

मार्केट में इनडोर लाइटिंग वाले प्लांट भी काफी लोकप्रिय हो गए हैं। ये प्लांट घर के अंदर की खूबसूरती को और बढ़ा रहे हैं। लोग ड्राइंग रूम, बेडरूम और किचन में लाइटिंग के साथ इन प्लांट को सजाकर अपने घर को आकर्षक बना रहे हैं। इस दिवाली, लोग अपने घरों को सजाने के लिए नए और कलात्मक तरीके अपना रहे हैं जो इस पर्व को और भी खास बना रहा है।

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 20 अक्टूबर 2025
[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

SHRI KHATU SHYAM JYOTISH

प्रतिक्षा कक्ष

प्रतिक्षा कक्ष

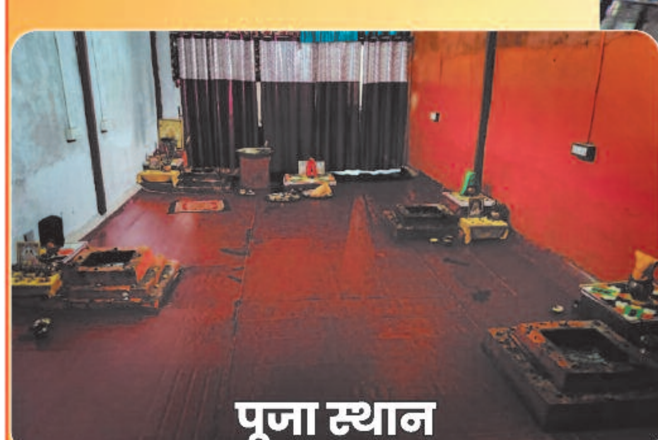
पूजा स्थान

परामर्श कक्ष

15 वर्षों से आपकी सेवा में

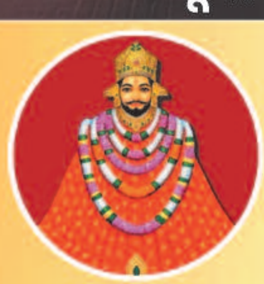

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

पं. रविकांत शर्मा / पं. एस. के. शास्त्री

हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
"ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
"जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान"

ऑफिस आने पर मात्र ₹101/- फोन से परामर्श केवल ₹251/-

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया,
शादी के लिए माता-पिता को मनाना

जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान

पं. एस. के. शास्त्री
जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष समाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान - संतान योग
- दुकान, बच्चो के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण

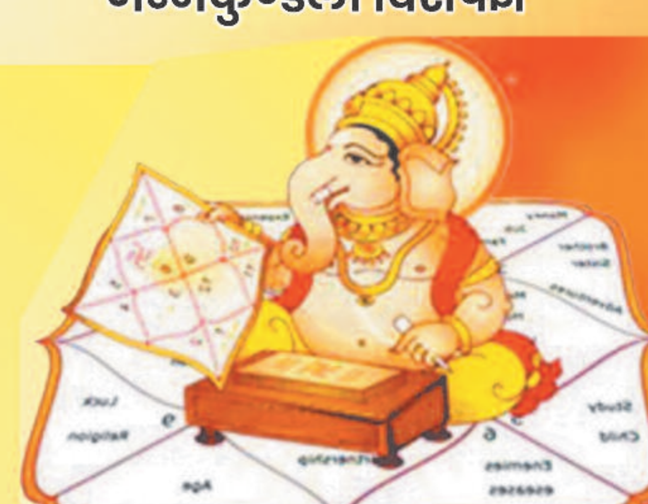

बुकिंग के लिए संपर्क करें : +91 7470674060

असुविधा से बचने के लिए आपॉइंटमेंट लेकर ही मिलें

नोट : मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना आवश्यक है।
पोलसाय पारा चौक के पास, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र :- पं. रविकांत शर्मा एवं पं. एस. के. शास्त्री : +919755964567

भाई-दूज बहन-भाई के अटूट प्रेम और आशीर्वाद का त्योहार

भाई-दूज (यम द्वितीया) हिन्दू संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है जो दीपावली के बाद मनाया जाता है। यह दिन भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सुरक्षा के वचनों का प्रतीक है। परंपरागत रूप से इस दिन बहन अपने भाई के लिये दीर्घायु, समृद्धि और कल्याण की कामना करते हुए उन्हें तिलक लगाकर आरती करती है और भोजन कराती है; बदले में भाई बहन को उपहार व रक्षा का वचन देता है।

भाई-दूज का पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व

प्राचीन कथाओं के अनुसार यमराज (मृत्यु देव) अपनी बहन यमुना के निमंत्रण पर आए। यमुना ने उनका अभिनंदन कर आशीर्वाद दिया; प्रसन्न होकर यमराज ने कहा कि जो भाई इस दिन अपनी बहन के घर जाकर तिलक लगवाएगा, उसकी आयु लम्बी रहेगी। इसीलिये भाई-दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है।

रिश्तों का प्रतीक: यह पर्व रक्तसम्बन्ध से बढ़कर स्नेह, सम्मान और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। समाज में भाई-दूज परिवारिक समरसता व पारिवारिक बंधन को मजबूत करता है।

कब मनाया जाता है?

भाई-दूज कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की द्वितीया को मनाया जाता है — यह दीपावली के बाद दूसरा दिन (या स्थल विशेष के अनुसार) आता है। (वर्षानुसार तिथियाँ बदलती हैं; सटीक तिथि स्थानीय पंचांग देखें।)

भाई-दूज का रीति-रिवाज- किसकी पूजा और क्यों?

किसकी पूजा होती है?

प्रत्यक्ष रूप से इस दिन बहन अपने भाई (या भाई की जगह कोई स्नेही पुरुष) का सम्मान कर उसकी लंबी आयु, खुशहाली और सुरक्षा की कामना करती है। साथ ही परंपरागत रूप से यमराज और यमुना का स्मरण भी जुड़ा हुआ है – जीवन और मृत्यु, दायित्व व प्रेम का संतुलन।

क्या-क्या किया जाता है?

बहन भाई के माथे पर तिलक लगाती है (रोली/कुमकुम के साथ चावल/अक्षत)। आरती कर के भाई की भलाई की प्रार्थना करती है। भाई को मिठाई खिलाकर, उपहार देकर बहन का आभार व्यक्त करता है। कुछ जगहों पर बहनें भाई के लिए लंबी आयु के लिए यम दुहिता/यमुना की पूजा भी करती हैं।

भाई-दूज की पारंपरिक पूजा विधि – चरण-दर-चरण

स्नान व स्वच्छ परिधान: बहन और भाई दोनों सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें।

थाली तैयार करना: बहन एक सजी हुई थाली तैयार करे – उसमें रोली/कुमकुम, अक्षत (चावल), मिट्टी/माचिस का दीपक, रोशन दीपक (दिवा), मिठाई, हल्दी, सुपारी, थोड़ा जल और छोटा उपहार/नारियल रखें।

भाई का स्वागत: बहन भाई का स्वागत करती है – कभी-कभी चावल की पर्त पर बहन भाई को बैठाती है।

तिलक लगाना: बहन भाई के माथे पर रोली/कुमकुम से तिलक लगाती है और उस पर अक्षत चढ़ाती है।

आरती: थाली में दीप जलाकर आरती की जाती है और भाई के लिये मंगलकामनाएँ की जाती हैं – बहन आरती के समय कुछ श्लोक, भजन या अपना संदेश कह सकती है।

भोजन कराना: भाई को मिठाई खिलाई जाती है (कभी-कभी माँसाहारी/छोले-पूरी या विशेष पके हुए व्यंजन)।

उपहार व वरदान: भाई बहन को उपहार देता है – कुछ स्थानों पर इस उपहार को 'वरदान' माना जाता है। भाई बहन से अपने जीवन की सुरक्षा का वचन देता है।

प्रसाद व आशीर्वाद: अंत में दोनों मिलकर प्रसाद ग्रहण करते हैं और परिवार में मिलन का आनंद मनाते हैं।

क्षेत्रीय विविधताएँ और स्थानीय प्रथाएँ

बहनें तिलक कर भाई को आशीर्वाद देती हैं; उपहार और खाने का आदान-प्रदान आम है।

पश्चिमी राज्य (महाराष्ट्र/गुजरात): इसे कुछ रूपों में "भाई द्वितीया" कहा जाता है; रीति थोड़ी बदली होती है – मेहंदी, लोकगीत, और पारिवारिक मेल मिलाप अधिक।

पूर्व भारत: यमुना/यम देवताओं की कथाएँ अधिक प्रचलित हैं; नदी तट पर पूजा की परंपरा भी प्रचलित है। (स्थानिक परंपराएँ अलग हो सकती हैं — स्थानीय रीति-अनुसार व्यवहार करना शुभ माना जाता है।)

भाई-दूज पर क्या उपहार दिए जाएँ? (प्रसिद्ध विकल्प)

पैसे, कपड़े, घड़ी, परफ्यूम, किताबें, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, पारंपरिक आभूषण (अगर संभव हो) या किसी अनुभव—जैसे आउटिंग/डिनर वाउचर। उपहार का चयन भाई-बहन के रिश्ता और उनकी पसंद पर निर्भर करें – सोच-समझ कर और हृदय से दिया गया उपहार अधिक मूल्यवान होता है।

भाई-दूज का आध्यात्मिक/नैतिक संदेश

यह पर्व हमें सिखाता है कि रिश्ते कर्तव्य, सम्मान और रक्षा से बनते हैं। बहन की चिंता और भाई की सुरक्षा का भाव पारिवारिक स्थिरता और सामाजिक सहयोग का आधार है। पर्व सामाजिक समरसता, क्षमा और परस्पर सहयोग का भी संदेश देता है।

आधुनिक संदर्भ में भाई-दूज

आज के समय में जहाँ परिवार बिखरते जा रहे हैं, भाई-दूज संबंधों को जोड़ने का अवसर देता है — चाहे वह फ़ोन कॉल हो, वीडियो कॉल, या व्यक्तिगत मिलन। परंपरागत पूजा के साथ आधुनिकता की भावनात्मक जुड़ाव भी जोड़ी जा सकती है: समय बिताना, साझा यादें बनाना और एक-दूसरे का सहयोग करना यही असली त्योहार है।

भाई-दूज केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रेम, आशीर्वाद और जीवन भर के साथ निभाए जाने वाले वायदों का उत्सव है। इस दिन बहनें भाई की दीर्घायु और खुशहाली की कामना करती हैं; भाई अपनी बहन का मान बनाये रखता है और सुरक्षा का वचन देता है। आइए, इस भाई-दूज पर रिश्तों की परवाह करें, पुरानी खटास मिटाएँ और नए प्रेम व भरोसे के साथ आगे बढ़ें। "जहाँ प्यार और सम्मान हो, वहाँ परिवार सदा प्रेरणा बनकर खड़ा रहता है।"

“सिर्फ दीये नहीं, रिश्तों में भी रोशनी जलाएँ”

भारत वर्ष त्योहारों की भूमि है, जहां हर पर्व अपने भीतर सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संदेश समेटे हुए है। इन सभी त्योहारों में दीपावली या दीवाली सबसे प्रमुख और लोकप्रिय पर्व माना जाता है। यह केवल दीप जलाने या मिठाइयाँ बाँटने का त्योहार नहीं, बल्कि यह जीवन में प्रकाश, सत्य, धर्म और सद्भावना के मार्ग को अपनाने का प्रतीक है।

दीपावली का पर्व भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटने की स्मृति में मनाया जाता है। कहते हैं, जब श्रीराम माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ लौटे, तो अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया। तभी से यह दिन "अंधकार पर प्रकाश की विजय" के रूप में मनाया जाता है।

जैन धर्म में भी यह दिन अत्यंत पवित्र माना गया है क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया था। वहीं सिख धर्म में यह दिन बंधी छोड़ दिवस के रूप में श्रद्धा से मनाया जाता है।

दीपावली केवल एक दिन का नहीं, बल्कि पाँच दिनों तक चलने वाला उत्सव है:

धनतेरस – स्वास्थ्य, धन और समृद्धि की कामना का दिन।

नरक चतुर्दशी (छोटी दीवाली) – नकारात्मकता और पाप से मुक्ति का प्रतीक।

मुख्य दीपावली – माँ लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर की पूजा का दिन।

गोवर्धन पूजा – भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के अहंकार को मिटाने की याद में। **भाई दूज** – भाई-बहन के पवित्र स्नेह का पर्व।

घर की साफ-सफाई और सजावट करें, क्योंकि माँ लक्ष्मी स्वच्छ घर में ही प्रवेश करती हैं। सायंकाल शुभ मुहूर्त में माँ लक्ष्मी और गणेश जी की विधिवत पूजा करें। दीपक जलाएँ, घर और आँगन को प्रकाशमय करें। जरूरतमंदों की मदद करें – यही सच्ची दिवाली है।

दीपावली की शुभकामनाएं...

दीपावली की रोशनी के बाद आता है भक्ति का उजाला

दीपावली की चमक-दमक के बाद भारतवर्ष में एक और महत्वपूर्ण त्योहार मनाया जाता है — गोवर्धन पूजा।यह पर्व केवल धार्मिक आस्था से नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और जीवनदायिनी धरती के प्रति आभार प्रकट करने का प्रतीक है।गोवर्धन पूजा का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से है, जिन्होंने मनुष्य को सिखाया कि प्रकृति ही सबसे बड़ी देवी है, और हमें उसकी रक्षा करनी चाहिए।

गोवर्धन पूजा का पौराणिक महत्व

पुराणों में वर्णन है कि एक बार गोकुल के लोग वर्षा देवता इंद्र की पूजा करते थे ताकि वर्षा अच्छी हो।

भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें समझाया कि वर्षा का असली कारण गोवर्धन पर्वत और प्रकृति की ऊर्जा है। गोकुलवासियों ने श्रीकृष्ण की बात मानकर गोवर्धन की पूजा की, जिससे क्रोधित होकर इंद्रदेव ने मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी।

तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली (छोटी उंगली) पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया और सात दिनों तक लोगों तथा गौधन की रक्षा की। इसी घटना की स्मृति में हर वर्ष दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा की जाती है।

"प्रकृति की रक्षा, गौ सेवा और सहयोग की भावना – यही गोवर्धन पूजा का संदेश है।"

गोवर्धन पूजा की परंपरा और तिथि

तारीख: 21 अक्टूबर 2025 (मंगलवार)

गोवर्धन पूजा तिथि: कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा

शुभ मुहूर्त: प्रातः से दोपहर तक (प्रदोष काल से पूर्व का समय शुभ माना गया है)

गोवर्धन पूजा को कई स्थानों पर अन्नकूट उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है।

"अन्नकूट" का अर्थ है — विभिन्न प्रकार के अन्नों और व्यंजनों का पर्वत बनाना, जिसे श्रीकृष्ण को भोग लगाकर प्रसाद रूप में वितरित किया जाता है।

गोवर्धन पूजा की विधि : घर-घर में भक्ति और प्रकृति की पूजा

गोवर्धन पर्वत का निर्माण

सुबह स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

आँगन या पूजा स्थल पर गोबर, मिट्टी या आटे से छोटा गोवर्धन पर्वत बनाएं।

पर्वत के चारों ओर जल, पुष्प, दीपक और अनाज रखें।

यह पर्वत प्रकृति, धरती और जीवन का प्रतीक माना जाता है।

गोवर्धन और गौ पूजा करें

गोवर्धन पर्वत के साथ गाय, बछड़ा और बैल की पूजा करें। गाय को तिलक लगाएँ, गुड़ और हरा चारा खिलाएँ। घर के आँगन या गौशाला में दीप जलाएँ और श्रीकृष्ण का स्मरण करें।

अन्नकूट भोग लगाना

विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ, दालें, मिठाइयाँ, रोटियाँ और चावल बनाकर थाली में रखें। यह सभी व्यंजन "अन्नकूट" कहलाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित करें और बाद में प्रसाद के रूप में परिवार व मित्रों को वितरित करें।

परिक्रमा और आरती

पूजा के बाद गोवर्धन पर्वत की सात परिक्रमा करें।

"गोवर्धन महाराज की जय" और "जय श्रीकृष्ण" का जयघोष करें।

अंत में आरती करें और प्रसाद ग्रहण करें।

गोवर्धन पूजा का संदेश : प्रकृति ही परम पूज्य है

गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का आध्यात्मिक संदेश है। यह पर्व हमें सिखाता है कि – धरती, पेड़-पौधे, जल और पशु-पक्षी हमारी जीवनरेखा हैं। इनकी रक्षा और सम्मान करना ही सच्ची पूजा है। गोवर्धन पर्वत की तरह हमें भी अपने कर्मों से समाज और पर्यावरण को सहारा देना चाहिए।

आधुनिक युग में गोवर्धन पूजा का महत्व

आज जब पर्यावरण असंतुलन, प्रदूषण और जलवायु संकट जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं, तो गोवर्धन पूजा का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकृति से जुड़ना ही समृद्धि का सबसे बड़ा मार्ग है। मंदिरों, गाँवों और शहरों में इस दिन सामूहिक पूजा, गौदान और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प लिए जाते हैं।

cia centralindiaassociates

Trusted Services Since 1986

CIA provides responsive world class services to steel producers around the country. Core services include steel mill services, customized slag handling, scrap recovery, processing & sizing services, excavation, logistics, material handling, scarfing of slabs & blooms.

In association with SAIL & FSNL for more than 35 years.

Corporate office: CIA House, GE Road, Contractor's Colony, Supela, Bhilai (CG) India 490023
PH: (0091) 788 4035059, 4040646 Email: cia_bhilai@yahoo.com

Works: 66 B, Light Industrial Area, Bhilai – 490 026 (C.G.) Tel. : 07400564555

BHILAI ROURKELA SALEM.